अध्यक्ष हेनरी बी. अय्रिंग द्वारा
पहले अध्यक्ष पहली अध्यक्षता में

उन्हें हमेशा याद रखें

क्या आप मुझे भविष्यवक्ता मोरोनि के साथ मॉरमन की पुस्तक के आखरी शब्द सोने की पट्टियों पर लिखते देख सकते हैं ? वह अकेले थे । उन्होंने अपने राष्ट्र को, अपने लोगो, और अपने परिवार को गिरते देखा था । वह भूमि युद्ध का "एक निरंतर घेरा" था (मॉरमन 8:8) । किन्तु उन्हें फिर भी आशा थी, क्यूंकि उन्होंने हमारा आज देखा था ! और उन सब में जो उन्होंने लिखा, उन्होंने हमें *याद* रखने का निमंत्रण दिया (देखें मोरोनि 10:3) ।

अध्यक्ष स्पेंसर डब्ल्यू. किम्बल (1895–1985) को यह सिखाने का शौक था की शब्दकोष में सबसे महत्वपूर्ण शब्द *याद* हो सकता हैं । क्यूंकि हमने परमेश्वर के साथ अनुबंधों को लिया हैं, उन्होंने कहाँ, " हमारी सबसे बड़ी आवश्यक्ता उन्हें *याद* रखने की हैं ।

आप धर्मशास्त्र में *याद* शब्द हर जगह पर पाएंगे । जब नफी ने अपने भाईयों को सावधान किया, अक्सर उन्होंने उन्हें अमंत्रित किया प्रभु के वचन याद रखने के लिए और वह याद रखने के लिए किस प्रकार से परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को बचाया (देखें 1 नफी 15:11, 25; 17:40).।

अपनी बड़ी बिदाई सन्देश में, राजा बेंजामिन ने याद शब्द का उपयोग सात बार किया । उन्होंने आशा कि उनके लोग याद रखेंगे " परमेश्वर की महानता...और उनकी अच्छाई और पीड़ा को " उनकी ओर ।(मोसाया 4:11; देखें 2:41; 4:28, 30; 5:11–12).

जब उद्धारकर्ता ने प्रभुभोज को स्थापित किया, उन्होंने अपने चेलों को अमंत्रित किया अपने बलिदान की "याद में" के चिन्ह में लेने के लिए (लुका 22:19)। हर प्रभुभोज की प्रार्थना में आप और मैं यह सुनते हैं, हर शब्द के बाद हमेशा *याद* शब्द आता हैं (देखें सिद्धांतो और अनुबंधों 20:77, 79) ।

मेरा सन्देश एक निमंत्रण, एक वचन हैं, याद रखने का । यहाँ तीन सुझाव हैं की आप कैसे हर हफ्ते जब उन पवित्र प्रतीकों को लेते हैं तो क्या याद रख सकते हैं । मैं आशा करता हूँ की यह आपके लिए लाभदायक होंगे जैसे की मेरे लिए रहे हैं ।

यीशु मसीह को याद रखें

पहला, उद्धारकर्ता को याद रखें । याद रखें वह इस धरती पर कौन थे, कैसे उन्होंने दूसरो से बात की, और कैसे उन्होंने अपने कार्यो से दया दिखाई । याद रखें की उन्होंने किस के साथ अपना समय बिताया और क्या सिखाया । उद्धारकर्ता " अच्छे कार्य करते गए" (प्रेरितों के कार्य 10:38) । वह बीमारों के यहाँ गए । वह अपने पिता की इच्छा को पूर्ण करने के प्रति वचनबद्ध थे ।

सबसे अधिक, हम उस मूल्य को याद करते हैं जो उन्होंने चुकाया, अपने प्रेम के द्वारा हमारे लिए, हमारे पापों के दाग मिटने के लिए । जैसे की हम उन्हें याद करते हैं, हमारी इच्छा उनका अनुसरण करने के लिए बढती हैं । हम और थोड़े दयालु, अधिक क्षमाशील, और अधिक परमेश्वर की इच्छा को खोज कर करने वाले बनना चाहेंगे ।

याद रहे की आप को क्या बेहतर करना हैं

उद्धारकर्ता के बारे में सोचना मुश्किल हैं - उनकी पवित्रता और सम्पूर्णता को --ये सोचते हुए की हम तुलना में कितने दोषपूर्ण और अपूर्ण हैं । हमने अनुबंधों को उनकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए बनाया हैं , किन्तु हम अक्सर इन उच्चे आदर्शो के सामने छोटे पड़ जाते हैं । किन्तु उद्धारकर्ता जानते थे की ऐसा होगा, इसलिए उन्होंने हमें प्रभुभोज की धर्मविधि दी ।

प्रभुभोज की जड़े पुराने नियम के बलिदान की भेट की विधि में हैं, जिसमें पापों को स्वीकार करना शामिल हैं (see लेव्य्व्यास्था 5:5) । हम अब जानवरों का बलिदान नहीं करते, परन्तु हम अपने पापों को अब भी दे सकते हैं । धर्मशास्त्र इस बलिदान को " एक टूटे मन और पश्चात्तापी आत्मा " कहता हैं (3 नफी 9:20) । प्रभुभोज को लेने के लिए एक पश्चात्तापी मन के साथ आए (देखें सिद्धांतो अनुबंधों 59:12; मोरोनि 6:2) । जैसा की आप ऐसा करते हैं, आपको अपने पापों से क्षमा प्राप्ति होगी और आप परमेश्वर की ओर जाने वाले मार्ग से नहीं भटकेंगे ।

उस प्रगति को याद रखें जो आप कर रहे हैं

जैसे की आप अपने जीवन को प्रभुभोज की धर्मविधि से जाचते हैं, मैं आशा करता हूँ की आपकी सोच केवल उन गलत चीजों पर ना हो कर उन सहीं चीजों पर भी हैं जो आपने की हैं- उन पलों में जब आपको महसूस हुआ हैं की स्वर्गीय पिता और उद्धारकर्ता आपसे खुश हैं । आप एक पल प्रभुभोज

के समय भी ले सकते हैं परमेश्वर से मदद मांगने का इन चीजों को देखने के लिए । आपको आशा महसूस होगी ।

जब मैंने ऐसा किया हैं, पवित्र आत्मा ने मुझे आश्वासन दिया हैं की जहाँ में उत्तम होने से कहीं दूर हूँ, मैं आज कल से बेहतर हूँ । और यह मुझे आत्मविश्वास देता हैं की, यह उद्धारकर्ता से है, मैं और भी अच्छा कल हो सकता हूँ ।

हमेशा एक लम्बा समय हैं, और यह बहुत से ध्यान केंद्रित प्रयास को सूचित करता हैं । आप अनुभव से जानते हैं की एक ही चीज़ को हर समय जागृत हो कर सोचना कितना मुश्किल हैं । परन्तु कोई बात नहीं चाहे आप कितनी भी योग्यता से अपना वादा रखें, वह आपको हमेशा याद रखते हैं ।

उद्धारकर्ता आपके संघर्ष को जानते हैं । वह जानते हैं की कैसा हैं जीवन की चिन्ताओ का अपने ऊपर आ जाना । वह जानते हैं की आपको अशीषो की कितनी अत्यावश्यक हैं जो उन्हें हमेशा याद रखने से और आज्ञाकारी बन कर आती हैं ---" की [आप] के साथ उनकी पवित्र आत्मा हमेशा हो [आप]" 9 अनुबंधों और सिद्धांतो 20:77)

इसलिए, वह आपका वापस प्रभुभोज की मेज़ पर हर हफ्ते स्वागत करते हैं, एक बार फिर आपको साक्षी होने का हमेशा के लिए मौका देते हैं उन्हें याद रखने का अपने सामने अवसर देते हुए ।

टिप्पणिया

1. स्पेंसर डब्ल्यू. किम्बल, “Circles of Exaltation” (address to Church Educational System religious educators, June 28, 1968), 5.

इस शिक्षा से सन्देश

जीवन व्यस्त हो सकता हैं और हमारे लिए उद्धारकर्ता यीशु मसीह को हमेशा याद रखना कठिन हो सकता हैं । प्रभुभोज, किन्तु, एक विशेष समय हर हफ्ते प्रदान करता हैं जब हम उनके जीवन और सीख पर सोच डाल सकते हैं । उनमें से जो यहाँ घर जा कर पढ़ाते हैं, गौर करें आप इन शांत पलों का अब कैसे उपयोग करेंगे, और चर्चा करें की आप उद्धारकर्ता की ओर कैसे अपन ध्यान और बढ़ाएंगे । आप कैसे इन पलों का इस्तेमाल उन चीजों को सोच कर सकते हैं जो निजी तौर से आप सुधार सकते हैं? क्या मोल हैं उस विकास को याद करने का जो आप हर हफ्ते करते हैं ?

युवा

तीन चीज़े याद रखने के लिए

याद शब्द मॉरमन की पुस्तक में कई बार प्रतीत हुआ हैं । नफी ने अपने भाईयों को प्रोत्साहित किया यह याद रखने में की कैसे परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को बचाया । राजा बेंजामिन ने अपने लोगो को परमेश्वर की महानता को याद रखने के लिए कहाँ । और मोरोनि ने अपने पढने वालो को प्रभु कटना दयालु हैं यह याद रखने का निर्देश दिया ।

उद्धारकर्ता को याद रखना महत्वपूर्ण हैं--हम हरबार प्रभुभोज को लेते हुए उन्हें याद रखने के अनुबंध को बनाते हैं । अध्यक्ष अय्रिंग हमें प्रभुभोज को लेते समय तीन चीज़े याद रखने का निमंत्रण देते हैं ।

1. **यीशु मसीह को याद करें :** धर्मशास्त्र में उद्धारकर्ता के लिए पढ़े की उन्होंने कैसे सेवा की और दूसरो के प्रति प्रेम दिखाया । आप किस प्रकार से उनके प्रेम को महसूस करते हैं ? आप कैसे उद्धारकर्ता की तरह दूसरों की ओर सेवा और प्रेम को दिखा सकते हैं?
2. याद रखें की आप को क्या बेहतर करना हैं: अपने बीते हुए हफ्ते पर एक पश्चातापी मन से विचारें । एक चीज़ को सोचे जो आप बदलना चाहेंगे, और लिखें की आप उसे कैसे सुधारेंगे । अपने उद्देश्य को ऐसी जगह पर लगाये जहाँ आप उसे अक्सर देख सकें ।
3. याद रखें उस प्रगति को जो आप कर रहें हैं : परमेश्वर से अपनी उस बढ़ती हुई प्रगति के लिए मदद मांगे । रिकॉर्ड करें की आपको कैसे महसूस होता हैं ।

हम सम्पूर्ण नहीं हैं, किन्तु उद्धारकर्ता यह जानते हैं । इसलिए वह हमें उन्हें याद रखने के लिए कहते हैं । उन्हें याद रखना हमें एक आशा देती हैं और हमें सुधरनें में मदद करती हैं । और उस समय में भी जब हम उन्हें याद करने में असमर्थ होते हैं, अध्यक्ष अय्रिंग कहते हैं, " वह हमें हमेशा याद रखते हैं ।"

" याद रखो कि प्रभु कितना दयालु रहा है "(मोरोनि 10:3).

बच्चें

यीशु को याद करना

धर्मशास्त्र सिखाता हैं की हमें यीशु मसीह को हमेशा याद करना चाहिए । इसका अर्थ हैं की हमें उनके बारे में *अत्याधिक* सोचना चाहिए और उनके उदहारण का अनुसरण करना चाहिए ।

यीशु की तस्वीर को ऐसी जगह रखें जहाँ से आप उसे अक्सर देख सकें ।

" और यदि तुम मुझे सदा याद रखोगे तो मेरी आत्मा तुम्हारे साथ रहेगी "(3 नफी 18:7) ।

© 2018 द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी। अग्रेंजी अनुमतिः 6/17 । अनुवाद अनुमतिः6/16 । हिन्दी अनुवाद 15046 294

उन्हें और अनके परिवार को जाने

भेंट करनेवाली शिक्षा हर बहन को निष्ठां से जानना और प्रेम करने के विषय में हैं ताकि हम उनके विश्वास को दृढ करने में मदद कर सकें और सेवा दे सकें ।

विश्वास परिवार सहायता

रीटा जेप्पेसन और उनके भेट करने वाले अद्यापक अच्छे मित्र बन गए हैं जैसे की वह भेंट करते और सुसमाचार को बाटते हैं। किन्तु उनकी भेंट में एक साथ शब्दों का खेल खेलना भी शामिल हैं । रीटा की यह भेट करने वाले अद्यापक के बारे में सबसे पसंदीदा चीज़ हैं क्यूंकि वह जानती हैं की वह मित्र हैं और यह केवल " चैक करने वाली' सूचि नहीं हैं । बहनें भेंट करने के दौरान बहुत सी चीज़े कर सकती हैं, जैसे की साथ चल कर बात करना या जब बच्चे खेले तो बाग की कुछ घास को तोड़ कर ।

बारह चेलों की परिषद् से, एल्डर जेफ्फरी आर हॉलैंड ने कहाँ, " अपने आप को प्रभु के बच्चों के लिए दूत की तरह देखों...हम आशा करते हैं...की आप एक वास्तविक्ता के युग को स्थापित करेंगे, सुसमाचार-अभिविन्यस्त सदस्यों के प्रति चिंतित, एक दूसरे को देखना और देखभाल करना, आत्मिक और अस्थायी आवश्यक्ताओ जिस प्रकार से भी मदद हो सके पूरा करना ।" 1

प्रभु ने मूसा के द्वारा इस्राएल के बच्चों को आज्ञा दी की " जो परदेसी तुम्हारे संग रहे वह तुम्हारे लिए देसी के समान हो, और उससे भी अपने ही समान प्रेम रखना" (लेव्य्व्यवस्था 19:34) । वे बहने जिन्हें हम भेंट कर पढ़ाते हैं शायद "अनजान" जैसे की हम अपनी सेवा शुरू करते हैं, किन्तु जैसे ही हम उन्हें और उनके परिवार को जानते हैं, हमारी इच्छा बढ़ेगी " एक दूसरे के बोझ को उठा, ताकि वह हलके हो " और " हमारे मन एकता में बुने हो और एक दूसरे के प्रति प्रेम हो (मोसयाह 18:8, 21) ।

रेना आई.अबुर्टो, सहायता संस्था की अध्यक्षता में दूसरी सलाहकार, याद करती हैं की वह गिरजे की सदस्य तब बनी जब उनका हाल ही में तलाक हुआ था । " मेरी भेंट करने वाली अद्यपिकाएं मेरे घर आई," उन्होंने कहाँ," और वे एक गर्म एहसास संबद्ध का और मेरे मन की ओर प्रेम का लेकर आती थी ।" 2

गौर करें

उन बहनों के परिवारों के बीच जिन्हें आप भेंट कर सिखाते हैं, किन आने वाले कार्यक्रमों के विषय में आप को जानकारी या याद होने चाहिए ?

टिप्पणियाँ

1. जेफ्फरी आर हॉलैंड, “Emissaries to the Church,” *लियाहोना,* नव:. 2016, 62.
2. रेना आई.अबुर्टो. "“What Has Relief Society Been for Me?” ब्रिघम यंग युनिवर्सिटी स्त्रीयों की सभा, मई 5, 2017.

प्रचार करना

जैसे की हम हर बहन से भेट कर उनको और उनके परिवार को पढ़ा कर उन्हें जानते और प्रेम करते हैं, हमें हर एक की आत्मिक और सांसारिक आवश्यक्ता ओर उत्तर देने के लिए प्रेरणा निजी तौर से प्राप्त होती हैं ।

© 2018 द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अग्रेंजी अनुमति:6/17 । अनुवाद अनुमति:6/17 । अनुवाद 15046 294 का ।